Luk

Chapter 15

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

Ἦσαν	δὲ	αὐτῷ	ἐγγίζοντες	πάντες	οἱ	τελῶναι	καὶ	οἱ	ἁμαρτωλοὶ
थे	और	उसके-पास	नज़दीक-आते-हुए	सब	–	चुंगी-लेने-वाले	और	–	पापी
G1510	G1161	G0846	G1448	G3956	G3588	G5057	G2532	G3588	G0268

ἀκούειν	αὐτοῦ;
सुनने-को	उसे।
G0191	G0846

> अब जब कर वसूलने वाले और पापी सभी उसे सुनने उसके पास आने लगे थे।

2

καὶ	διεγόγγυζον	οἵ	τε	Φαρισαῖοι	καὶ	οἱ	γραμματεῖς,	λέγοντες,	ὅτι
और	कुड़कुड़ा-रहे-थे	–	–	फरीसी	और	–	शास्त्री	कहते-हुए	कि
G2532	G1234	G3588	G5037	G5330	G2532	G3588	G1122	G3004	G3754

Οὗτος	ἁμαρτωλοὺς	προσδέχεται	καὶ	συνεσθίει	αὐτοῖς.
यह	पापियों-को	ग्रहण-करता-है	और	साथ-खाता-है	उनके-साथ।
G3778	G0268	G4327	G2532	G4906	G0846

> तो फ़रीसी और यहूदी धर्मशास्त्री बड़बड़ाते हुए कहने लगे, “यह व्यक्ति तो पापियों का स्वागत करता है और उनके साथ खाता है।”

3

εἶπεν	δὲ	πρὸς	αὐτοὺς	τὴν	παραβολὴν	ταύτην,	λέγων,
कहा	और	से	उनसे	यह	दृष्टांत	–	कहते-हुए
G3004	G1161	G4314	G0846	G3588	G3850	G3778	G3004

> इस पर यीशु ने उन्हें यह दृष्टान्त कथा सुनाई:

4

Τίς	ἄνθρωπος	ἐξ	ὑμῶν,	ἔχων	ἑκατὸν	πρόβατα,	καὶ	ἀπολέσας	ἐξ
कौन	मनुष्य	में-से	तुम-में-से	रखता-हुआ	सौ	भेड़ें	और	खोकर	में-से
G5101	G0444	G1537	G4771	G2192	G1540	G4263	G2532	G0622	G1537

αὐτῶν	ἓν,	οὐ	καταλείπει	τὰ	ἐνενήκοντα	ἐννέα	ἐν	τῇ	ἐρήμῳ,	καὶ
उनमें-से	एक	क्या-नहीं	छोड़ता-है	–	नब्बे	नौ	में	–	जंगल	और
G0846	G1520	G3756	G2641	G3588	G1768	G1767	G1722	G3588	G2048	G2532

πορεύεται	ἐπὶ	τὸ	ἀπολωλὸς,	ἕως	εὕρῃ	αὐτό?
जाता-है	पीछे	–	खोए-हुए-के	जब-तक	पाए	उसे?
G4198	G1909	G3588	G0622	G2193	G2147	G0846

> “मानों तुममें से किसी के पास सौ भेड़ें हैं और उनमें से कोई एक खो जाये तो क्या वह निन्यानबे भेड़ों को खुले में छोड़ कर खोई हुई भेड़ का पीछा तब तक नहीं करेगा, जब तक कि वह उसे पा न ले।

5

καὶ	εὑρὼν,	ἐπιτίθησιν	ἐπὶ	τοὺς	ὤμους	αὐτοῦ,	χαίρων.
और	पाकर	रखता-है	पर	–	कंधों	अपने	आनन्दित-होकर।
G2532	G2147	G2007	G1909	G3588	G5606	G0846	G5463

> फिर जब उसे भेड़ मिल जाती है तो वह उसे प्रसन्नता के साथ अपने कन्धों पर उठा लेता है।

6

καὶ	ἐλθὼν	εἰς	τὸν	οἶκον,	συνκαλεῖ	τοὺς	φίλους	καὶ	τοὺς	γείτονας,
और	आकर	में	–	घर	बुलाता-है	–	मित्रों-को	और	–	पड़ोसियों-को
G2532	G2064	G1519	G3588	G3624	G4779	G3588	G5384	G2532	G3588	G1069

λέγων	αὐτοῖς,	Συνχάρητέ	μοι,	ὅτι	εὗρον	τὸ	πρόβατόν	μου,	τὸ
कहता-हुआ	उनसे	आनन्दित-हो	मेरे-साथ	क्योंकि	पाया-मैंने	–	भेड़	मेरी	–
G3004	G0846	G4796	G1473	G3754	G2147	G3588	G4263	G1473	G3588

ἀπολωλός!
खोयी-हुई!
G0622

> और जब घर लौटता है तो अपने मित्रों और पड़ोसियों को पास बुलाकर उनसे कहता है, ‘मेरे साथ आनन्द मनाओ क्योंकि मुझे मेरी खोयी हुई भेड़ मिल गयी है।’

7

λέγω	ὑμῖν	ὅτι	οὕτως	χαρὰ	ἐν	τῷ	οὐρανῷ	ἔσται	ἐπὶ	ἑνὶ
कहता-हूं	तुमसे	कि	इसी-प्रकार	आनन्द	में	–	स्वर्ग	होगा	पर	एक
G3004	G4771	G3754	G3779	G5479	G1722	G3588	G3772	G1510	G1909	G1520

ἁμαρτωλῷ	μετανοοῦντι,	ἢ	ἐπὶ	ἐνενήκοντα	ἐννέα	δικαίοις,	οἵτινες	οὐ
पापी	मन-फिराने-वाले	से-अधिक	पर	नब्बे	नौ	धर्मियों	जिन्हें	नहीं
G0268	G3340	G2228	G1909	G1768	G1767	G1342	G3748	G3756

χρείαν	ἔχουσιν	μετανοίας.
ज़रूरत	रखते	मन-फिराव-की।
G5532	G2192	G3341

> मैं तुमसे कहता हूँ, इसी प्रकार किसी एक मन फिराने वाले पापी के लिये, उन निन्यानबे धर्मी पुरुषों से, जिन्हें मन फिराने की आवश्यकता नहीं है, स्वर्ग में कहीं अधिक आनन्द मनाया जाएगा।

8

Ἢ	τίς	γυνὴ,	δραχμὰς	ἔχουσα	δέκα,	ἐὰν	ἀπολέσῃ	δραχμὴν	μίαν,	οὐχὶ
या	कौन	स्त्री	दिरहम	रखती-हुई	दस	यदि	खोए	दिरहम	एक	क्या-नहीं
G2228	G5101	G1135	G1406	G2192	G1176	G1437	G0622	G1406	G1520	G3780

ἅπτει	λύχνον,	καὶ	σαροῖ	τὴν	οἰκίαν,	καὶ	ζητεῖ	ἐπιμελῶς	ἕως	οὗ
जलाती-है	दीपक	और	बुहारती-है	–	घर	और	खोजती-है	ध्यान-से	जब-तक	कि
G0681	G3088	G2532	G4563	G3588	G3614	G2532	G2212	G1960	G2193	G3739

εὕρῃ?
पाए?
G2147

> “या सोचो कोई औरत है जिसके पास दस चाँदी के सिक्के हैं और उसका एक सिक्का खो जाता है तो क्या वह दीपक जला कर घर को तब तक नहीं बुहारती रहेगी और सावधानी से नहीं खोजती रहेगी जब तक कि वह उसे मिल न जाये?

9

καὶ	εὑροῦσα,	συνκαλεῖ	τὰς	φίλας	καὶ	γείτονας,	λέγουσα,	Συνχάρητέ	μοι,
और	पाकर	बुलाती-है	–	सखियों-को	और	पड़ोसनों-को	कहती-हुई	आनन्दित-हो	मेरे-साथ
G2532	G2147	G4779	G3588	G5384	G2532	G1069	G3004	G4796	G1473

ὅτι	εὗρον	τὴν	δραχμὴν	ἣν	ἀπώλεσα.
क्योंकि	पाया-मैंने	–	दिरहम	जो	खोया-था-मैंने।
G3754	G2147	G3588	G1406	G3739	G0622

> और जब वह उसे पा लेती है तो अपने मित्रों और पड़ोसियों को पास बुला कर कहती है, ‘मेरे साथ आनन्द मनाओ क्योंकि मेरा सिक्का जो खो गया था, मिल गया है।’

10										
οὕτως,	λέγω	ὑμῖν,	γίνεται	χαρὰ	ἐνώπιον	τῶν	ἀγγέλων	τοῦ	Θεοῦ	ἐπὶ
इसी-प्रकार	कहता-हूं	तुमसे	होती-है	आनन्द	सामने	–	स्वर्गदूतों-के	–	परमेश्वर-के	पर
G3779	G3004	G4771	G1096	G5479	G1799	G3588	G0032	G3588	G2316	G1909

ἑνὶ	ἁμαρτωλῷ	μετανοοῦντι.
एक	पापी	मन-फिराने-वाले।
G1520	G0268	G3340

> मैं तुमसे कहता हूँ कि इसी प्रकार एक मन फिराने वाले पापी के लिये भी परमेश्वर के दूतों की उपस्थिति में वहाँ आनन्द मनाया जायेगा।”

11						
Εἶπεν	δέ,	Ἄνθρωπός	τις	εἶχεν	δύο	υἱούς.
कहा	और	मनुष्य	किसी	के-पास-थे	दो	पुत्र।
G3004	G1161	G0444	G5100	G2192	G1417	G5207

> फिर यीशु ने कहा: “एक व्यक्ति के दो बेटे थे।

12											
καὶ	εἶπεν	ὁ	νεώτερος	αὐτῶν	τῷ	πατρί,	Πάτερ,	δός	μοι	τὸ
और	कहा	–	छोटे-ने	उनमें-से	–	पिता-से	हे-पिता	दे	मुझे	–
G2532	G3004	G3588	G3501	G0846	G3588	G3962	G3962	G1325	G1473	G3588

ἐπιβάλλον	μέρος	τῆς	οὐσίας.	ὁ	δὲ	διεῖλεν	αὐτοῖς	τὸν	βίον.
मिलने-वाला	भाग	–	संपत्ति-का।	–	और	बांट-दिया	उनको	–	धन।
G1911	G3313	G3588	G3776	G3588	G1161	G1244	G0846	G3588	G0979

> सो छोटे ने अपने पिता से कहा, ‘जो सम्पत्ति मेरे बाँटे में आती है, उसे मुझे दे दे।’ तो पिता ने उन दोनों को अपना धन बाँट दिया।

13									
καὶ	μετ’	οὐ	πολλὰς	ἡμέρας,	συναγαγὼν	πάντα,	ὁ	νεώτερος	υἱὸς
और	के-बाद	नहीं	बहुत	दिन	इकट्ठा-करके	सब	–	छोटा	पुत्र
G2532	G3326	G3756	G4183	G2250	G4863	G3956	G3588	G3501	G5207

ἀπεδήμησεν	εἰς	χώραν	μακράν,	καὶ	ἐκεῖ	διεσκόρπισεν	τὴν	οὐσίαν	αὐτοῦ,
चला-गया	को	देश	दूर	और	वहां	उड़ा-दिया	–	संपत्ति	अपनी
G0589	G1519	G5561	G3117	G2532	G1563	G1287	G3588	G3776	G0846

ζῶν	ἀσώτως.
जीते-हुए	लुटाई-से।
G2198	G0811

> “अभी कोई अधिक समय नहीं बीता था, कि छोटे बेटे ने अपनी समूची सम्पत्ति समेटी और किसी दूर देश को चल पड़ा। और वहाँ जँगलियों सा उद्दण्ड जीवन जीते हुए उसने अपना सारा धन बर्बाद कर डाला।

14									
δαπανήσαντος	δὲ	αὐτοῦ	πάντα,	ἐγένετο	λιμὸς	ἰσχυρὰ	κατὰ	τὴν	χώραν
खर्च-करने-पर	और	उसके	सब	हुआ	अकाल	भयानक	पर	–	देश
G1159	G1161	G0846	G3956	G1096	G3042	G2478	G2596	G3588	G5561

ἐκείνην,	καὶ	αὐτὸς	ἤρξατο	ὑστερεῖσθαι.
उस	और	वह	लगा	तंगी-में-रहने।
G1565	G2532	G0846	G0756	G5302

> जब उसका सारा धन समाप्त हो चुका था तभी उस देश में सभी ओर व्यापक भयानक अकाल पड़ा। सो वह अभाव में रहने लगा।

15									
καὶ	πορευθεὶς,	ἐκολλήθη	ἑνὶ	τῶν	πολιτῶν	τῆς	χώρας	ἐκείνης,	καὶ
और	जाकर	जुड़-गया	एक-से	–	नागरिकों-में-से	–	देश-के	उस	और
G2532	G4198	G2853	G1520	G3588	G4177	G3588	G5561	G1565	G2532

ἔπεμψεν	αὐτὸν	εἰς	τοὺς	ἀγροὺς	αὐτοῦ	βόσκειν	χοίρους.
भेजा	उसे	में	–	खेतों	अपने	चराने	सूअरों।
G3992	G0846	G1519	G3588	G0068	G0846	G1006	G5519

> इसलिये वह उस देश के किसी व्यक्ति के यहाँ जाकर मज़दूरी करने लगा उसने उसे अपने खेतों में सुअर चराने भेज दिया।

16 καὶ ἐπεθύμει γεμίσαι τὴν κοιλίαν αὐτοῦ ἐκ τῶν κερατίων ὧν ἤσθιον
और चाहता-था भरना – पेट अपना से – फलियों जो खाते-थे
G2532 G1937 G1072 G3588 G2836 G0846 G1537 G3588 G2769 G3739 G2068

οἱ χοῖροι; καὶ οὐδεὶς ἐδίδου αὐτῷ.
– सूअर और कोई-नहीं देता-था उसे।
G3588 G5519 G2532 G3762 G1325 G0846

> वहाँ उसने सोचा कि उसे वे फलियाँ ही पेट भरने को मिल जायें जिन्हें सुअर खाते थे। पर किसी ने उसे एक फली तक नहीं दी।

17 εἰς ἑαυτὸν δὲ ἐλθὼν, ἔφη, Πόσοι μίσθιοι τοῦ πατρός μου περισσεύονται
में अपने-आप और आकर कहा कितने मज़दूर – पिता-के मेरे अधिकाई-रखते-हैं
G1519 G1438 G1161 G2064 G5346 G4214 G3407 G3588 G3962 G1473 G4052

ἄρτων, ἐγὼ δὲ λιμῷ ὧδε ἀπόλλυμαι?
रोटियों मैं परन्तु भूख-से यहां मर-रहा-हूं?
G0740 G1473 G1161 G3042 G5602 G0622

> “फिर जब उसके होश ठिकाने आये तो वह बोला, ‘मेरे पिता के पास कितने ही ऐसे मज़दूर हैं जिनके पास खाने के बाद भी बचा रहता है, और मैं यहाँ भूखों मर रहा हूँ।

18 ἀναστὰς, πορεύσομαι πρὸς τὸν πατέρα μου, καὶ ἐρῶ αὐτῷ, Πάτερ,
उठकर जाऊंगा पास – पिता-के मेरे और कहूंगा उससे हे-पिता
G0450 G4198 G4314 G3588 G3962 G1473 G2532 G2046 G0846 G3962

ἥμαρτον εἰς τὸν οὐρανὸν καὶ ἐνώπιόν σου;
पाप-किया-मैंने के-विरुद्ध – स्वर्ग और सामने तेरे।
G0264 G1519 G3588 G3772 G2532 G1799 G4771

> सो मैं यहाँ से उठकर अपने पिता के पास जाऊँगा और उससे कहूँगा: पिताजी, मैंने स्वर्ग के परमेश्वर और तेरे विरुद्ध पाप किया है।

19 οὐκέτι εἰμὶ ἄξιος κληθῆναι υἱός σου. ποίησόν με ὡς ἕνα τῶν
अब-और-नहीं हूं योग्य कहलाने-को पुत्र तेरा। बना-दे मुझे जैसा एक –
G3765 G1510 G0514 G2564 G5207 G4771 G4160 G1473 G5613 G1520 G3588

μισθίων σου.
मज़दूरों-का तेरे।
G3407 G4771

> अब आगे मैं तेरा बेटा कहलाने योग्य नहीं रहा हूँ। मुझे अपना एक मज़दूर समझकर रख ले।’

20 καὶ ἀναστὰς, ἦλθεν πρὸς τὸν πατέρα ἑαυτοῦ. ἔτι δὲ αὐτοῦ μακρὰν
और उठकर आया पास – पिता-के अपने। अभी और उसके दूर
G2532 G0450 G2064 G4314 G3588 G3962 G1438 G2089 G1161 G0846 G3112

ἀπέχοντος, εἶδεν αὐτὸν ὁ πατὴρ αὐτοῦ, καὶ ἐσπλαγχνίσθη, καὶ δραμὼν,
होते-हुए देखा उसे – पिता-ने उसके और तरस-खाया और दौड़कर
G0568 G3708 G0846 G3588 G3962 G0846 G2532 G4697 G2532 G5143

ἐπέπεσεν ἐπὶ τὸν τράχηλον αὐτοῦ, καὶ κατεφίλησεν αὐτόν.
गिर-पड़ा पर – गर्दन उसकी और चूमा उसे।
G1968 G1909 G3588 G5137 G0846 G2532 G2705 G0846

> सो वह उठकर अपने पिता के पास चल दिया। “अभी वह पर्याप्त दूरी पर ही था कि उसके पिता ने उसे देख लिया और उसके पिता को उस पर बहुत दया आयी। सो दौड़ कर उसने उसे अपनी बाहों में समेट लिया और चूमा।

21	εἶπεν	δὲ	ὁ	υἱός	αὐτῷ,	Πάτερ,	ἥμαρτον	εἰς	τὸν	οὐρανὸν	καὶ
	कहा	और	–	पुत्र-ने	उससे	हे-पिता	पाप-किया-मैंने	के-विरुद्ध	–	स्वर्ग	और
	G3004	G1161	G3588	G5207	G0846	G3962	G0264	G1519	G3588	G3772	G2532
	ἐνώπιόν	σου;	οὐκέτι	εἰμὶ	ἄξιος	κληθῆναι	υἱός	σου.	(ποίησόν	με	ὡς
	सामने	तेरे	अब-और-नहीं	हूं	योग्य	कहलाने-को	पुत्र	तेरा।	(बना-दे	मुझे	जैसा
	G1799	G4771	G3765	G1510	G0514	G2564	G5207	G4771	G4160	G1473	G5613
	ἕνα	τῶν	μισθίων	σου).							
	एक	–	मज़दूरों-का	तेरे)।							
	G1520	G3588	G3407	G4771							

> पुत्र ने पिता से कहा, 'पिताजी, मैंने तुम्हारी दृष्टि में और स्वर्ग के विरुद्ध पाप किया है, मैं अब और अधिक तुम्हारा पुत्र कहलाने योग्य नहीं हूँ।'

22	εἶπεν	δὲ	ὁ	πατὴρ	πρὸς	τοὺς	δούλους	αὐτοῦ,	Ταχὺ	ἐξενέγκατε	στολὴν
	कहा	और	–	पिता-ने	से	–	दासों-से	अपने	जल्दी	ला-निकालो	चोगा
	G3004	G1161	G3588	G3962	G4314	G3588	G1401	G0846	G5035	G1627	G4749
	τὴν	πρώτην,	καὶ	ἐνδύσατε	αὐτόν,	καὶ	δότε	δακτύλιον	εἰς	τὴν	χεῖρα
	–	उत्तम	और	पहनाओ	उसे	और	दो	अंगूठी	में	–	हाथ
	G3588	G4413	G2532	G1746	G0846	G2532	G1325	G1146	G1519	G3588	G5495
	αὐτοῦ,	καὶ	ὑποδήματα	εἰς	τοὺς	πόδας;					
	उसके	और	जूते	में	–	पैरों।					
	G0846	G2532	G5266	G1519	G3588	G4228					

> "किन्तु पिता ने अपने सेवकों से कहा, 'जल्दी से उत्तम वस्त्र निकाल लाओ और उन्हें इसे पहनाओ। इसके हाथ में अँगूठी और पैरों में चप्पल पहनाओ।

23	καὶ	φέρετε	τὸν	μόσχον	τὸν	σιτευτόν,	θύσατε,	καὶ	φαγόντες,	εὐφρανθῶμεν.
	और	लाओ	–	बछड़ा	–	मोटा	काटो	और	खाकर	आनन्दित-हों।
	G2532	G5342	G3588	G3448	G3588	G4618	G2380	G2532	G5315	G2165

> कोई मोटा ताजा बछड़ा लाकर मारो और आओ उसे खाकर हम आनन्द मनायें।

24	ὅτι	οὗτος	ὁ	υἱός	μου	νεκρὸς	ἦν,	καὶ	ἀνέζησεν;	ἦν	ἀπολωλὼς,
	क्योंकि	यह	–	पुत्र	मेरा	मरा-हुआ	था	और	जी-उठा	था	खोया-हुआ
	G3754	G3778	G3588	G5207	G1473	G3498	G1510	G2532	G0326	G1510	G0622
	καὶ	εὑρέθη.	καὶ	ἤρξαντο	εὐφραίνεσθαι.						
	और	मिल-गया।	और	लगे	आनन्दित-होने।						
	G2532	G2147	G2532	G0756	G2165						

> क्योंकि मेरा यह बेटा जो मर गया था अब जैसे फिर जीवित हो गया है। यह खो गया था, पर अब यह मिल गया है।' सो वे आनन्द मनाने लगे।

25	ἦν	δὲ	ὁ	υἱὸς	αὐτοῦ,	ὁ	πρεσβύτερος,	ἐν	ἀγρῷ;	καὶ	ὡς
	था	और	–	पुत्र	उसका	–	बड़ा	में	खेत	और	जब
	G1510	G1161	G3588	G5207	G0846	G3588	G4245	G1722	G0068	G2532	G5613
	ἐρχόμενος,	ἤγγισεν	τῇ	οἰκίᾳ,	ἤκουσεν	συμφωνίας	καὶ	χορῶν.			
	आता-हुआ	नज़दीक-आया	–	घर	सुना	बाजों-का	और	नाचों।			
	G2064	G1448	G3588	G3614	G0191	G4858	G2532	G5525			

> "अब उसका बड़ा बेटा जो खेत में था, जब आया और घर के पास पहुँचा तो उसने गाने नाचने के स्वर सुने।

26	καὶ	προσκαλεσάμενος	ἕνα	τῶν	παίδων,	ἐπυνθάνετο	τί	ἂν	εἴη	ταῦτα.
	और	बुलाकर	एक-को	–	सेवकों-के	पूछा	क्या	–	हो	ये-बातें।
	G2532	G4341	G1520	G3588	G3816	G4441	G5101	G0302	G1510	G3778

> उसने अपने एक सेवक को बुलाकर पूछा, 'यह सब क्या हो रहा है?'

27 ὁ δὲ εἶπεν αὐτῷ ὅτι, Ὁ ἀδελφός σου ἥκει, καὶ ἔθυσεν ὁ
– और कहा उससे कि – भाई तेरा आया–है और काटा –
G3588 G1161 G3004 G0846 G3754 G3588 G0080 G4771 G2240 G2532 G2380 G3588

πατήρ σου τὸν μόσχον τὸν σιτευτόν, ὅτι ὑγιαίνοντα αὐτὸν ἀπέλαβεν.
पिता–ने तेरे – बछड़ा – मोटा क्योंकि स्वस्थ–होकर उसे वापस–पाया।
G3962 G4771 G3588 G3448 G3588 G4618 G3754 G5198 G0846 G0618

> सेवक ने उससे कहा, ‘तेरा भाई आ गया है और तेरे पिता ने उसे सुरक्षित और स्वस्थ पाकर एक मोटा सा बछड़ा कटवाया है!’

28 ὠργίσθη δέ, καὶ οὐκ ἤθελεν εἰσελθεῖν. ὁ δὲ πατὴρ αὐτοῦ, ἐξελθὼν,
क्रोधित–हुआ और और नहीं चाहता–था प्रवेश–करना। – और पिता उसका निकलकर
G3710 G1161 G2532 G3756 G2309 G1525 G3588 G1161 G3962 G0846 G1831

παρεκάλει αὐτόν.
मना–रहा–था उसे।
G3870 G0846

> “बड़ा भाई आग बबूला हो उठा, वह भीतर जाना तक नहीं चाहता था। सो उसके पिता ने बाहर आकर उसे समझाया बुझाया।

29 ὁ δὲ ἀποκριθεὶς, εἶπεν τῷ πατρὶ ‹αὐτοῦ›, Ἰδοὺ, τοσαῦτα ἔτη δουλεύω
– और उत्तर–देकर कहा – पिता–से अपने देख इतने वर्ष सेवा–करता–हूं
G3588 G1161 G0611 G3004 G3588 G3962 G0846 G3708 G5118 G2094 G1398

σοι, καὶ οὐδέποτε ἐντολήν σου παρῆλθον, καὶ ἐμοὶ οὐδέποτε ἔδωκας
तेरी और कभी–नहीं आदेश तेरी तोड़ी–मैंने और मुझे कभी–नहीं दिया–तूने
G4771 G2532 G3763 G1785 G4771 G3928 G2532 G1473 G3763 G1325

ἔριφον, ἵνα μετὰ τῶν φίλων μου εὐφρανθῶ.
बकरी ताकि के–साथ – मित्रों–के मेरे आनन्दित–होता।
G2056 G2443 G3326 G3588 G5384 G1473 G2165

> पर उसने पिता को उत्तर दिया, ‘देख मैं बरसों से तेरी सेवा करता आ रहा हूँ। मैंने तेरी किसी भी आज्ञा का विरोध नहीं किया, पर तूने मुझे तो कभी एक बकरी तक नहीं दी कि मैं अपने मित्रों के साथ कोई आनन्द मना सकता।

30 ὅτε δὲ ὁ υἱός σου οὗτος, ὁ καταφαγών σου τὸν βίον μετὰ
जब परन्तु – पुत्र तेरा यह – खा–गया–है–जिसने तेरे – धन के–साथ
G3753 G1161 G3588 G5207 G4771 G3778 G3588 G2719 G4771 G3588 G0979 G3326

πορνῶν, ἦλθεν, ἔθυσας αὐτῷ τὸν σιτευτὸν μόσχον!
वेश्याओं आया काटा–तूने उसके–लिए – मोटा बछड़ा!
G4204 G2064 G2380 G0846 G3588 G4618 G3448

> पर जब तेरा यह बेटा आया जिसने वेश्याओं में तेरा धन उड़ा दिया, उसके लिये तूने मोटा ताजा बछड़ा मरवाया।’

31 ὁ δὲ εἶπεν αὐτῷ, Τέκνον, σὺ πάντοτε μετ’ ἐμοῦ εἶ, καὶ πάντα
– और कहा उससे हे–बच्चे तू हमेशा के–साथ मेरे है और सब
G3588 G1161 G3004 G0846 G5043 G4771 G3842 G3326 G1473 G1510 G2532 G3956

τὰ ἐμὰ, σά ἐστιν.
– मेरा तेरा है।
G3588 G1699 G4674 G1510

> “पिता ने उससे कहा, ‘मेरे पुत्र, तू सदा ही मेरे पास है और जो कुछ मेरे पास है, सब तेरा है।

32 εὐφρανθῆναι δὲ καὶ χαρῆναι ἔδει, ὅτι ὁ ἀδελφός σου οὗτος,
आनन्दित–होना परन्तु और खुश–होना चाहिए–था क्योंकि – भाई तेरा यह
G2165 G1161 G2532 G5463 G1163 G3754 G3588 G0080 G4771 G3778

νεκρὸς ἦν, καὶ ἔζησεν; καὶ ἀπολωλὼς, καὶ εὑρέθη.
मरा–हुआ था और जी–उठा और खोया–हुआ और मिल–गया।
G3498 G1510 G2532 G2198 G2532 G0622 G2532 G2147

> किन्तु हमें प्रसन्न होना चाहिए और उत्सव मनाना चाहिये क्योंकि तेरा यह भाई, जो मर गया था, अब फिर जीवित हो गया है। यह खो गया था, जो फिर अब मिल गया है।'"